



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 150]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 25, 1976/चैत्र 5, 1898

No. 150]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 25, 1976/CHAITRA 5, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th March 1976

S.O. 238(E)/IDRA/76.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby exempts from the operation of sections 11, 11A and 13 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), and the rules made thereunder, all industrial undertakings pertaining to the manufacture of an article on the basis of technology developed by any of the laboratories established by the Council of Scientific and Industrial Research or approved in this behalf by the Department of Science and Technology of the Government of India, subject to the following conditions, namely:—

- (1) The article of manufacture shall not be an article specified in Schedules I, III or IV to the notification No. 98E/IDRA/29B/73/1, dated the 16th February, 1973, of the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development), as amended from time to time.
- (2) The industrial undertaking does not fall within the purview of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), or of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973).

(3) The industrial undertaking shall obtain a certificate from the Department of Science and Technology to the effect that the article proposed to be manufactured by it is on the basis of the technology developed by any of the laboratories referred to above.

2. This notification is in addition to and not in derogation of notification No. S.O. 98E/IDRA/29B/73/1, dated the 16th February, 1973, of the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development).

[No. 12(3)/Lic. Pol./76.]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 मार्च, 1976

का० आ० 238(अ)/उ० वि० अ०/76.—केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 29 ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऐसे सभी औद्योगिक उपक्रमों को वे जो, ज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसन्धान परिषद् द्वारा स्थापित या भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिक विभाग द्वारा इस निमित्त अनुमोदित किसी प्रयोग द्वारा विकसित प्रौद्योगिक के आधार पर किसी वस्तु के निर्माण में लगे हैं, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 11, 11 क और 13 तथा उनके अधीन बनाए गए नियमों के प्रवर्तन से निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात् :—

- (1) विनिर्माण की वस्तुएं ऐसी वस्तुएं नहीं होंगी जो भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना संख्या 98 ड० / उ० वि० अ० / 29 ख/73/1, तारीख 16 फरवरी, 1973 की अनुसूची I, II, या III में विनिर्दिष्ट हैं।
- (2) औद्योगिक उपक्रम एकाधिकारी तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) या विदेशी मुद्रा विनियमन, अधिनियम, 1973 (1973 का 46) के क्षेत्र में नहीं आते हैं।
- (3) औद्योगिक उपक्रम को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से इस प्रभाव का एक प्रमाणपत्र प्राप्त करना होगा कि उसके द्वारा प्रख्यापित वस्तु का विनिर्माण ऊपर निर्दिष्ट प्रयोगशालाओं में से किसी के द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी के आधार पर किया जाना है।

2. यह अधिसूचना भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना सं० क० आ० 98 ड० / उ० वि० अ० / 29 ख/73/1, तारीख 16 फरवरी, 1973 के अनुरिक्त है न कि उसके अन्विकरण में।

[सं० 12/(3)/अनुज्ञापोलिसी/76]

डी० के० सक्सेना, संयुक्त सचिव।